**2024**

# HINDI

## ( Honours Core )

Paper : HIN–HC–3026

**( भारतीय काव्यशास्त्र )**

*Full Marks* : 80

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि' किस आचार्य के द्वारा दिया गया काव्य-लक्षण है?

(ख) 'नाट्यशास्त्र' नामक ग्रंथ के रचयिता कौन हैं?

(ग) काव्य-हेतु का तात्पर्य क्या है?

(घ) रौद्ररस का स्थायी भाव क्या है?

(ङ) "या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोय।
ज्यौं ज्यौं बूड़ै स्याम रँग, त्यौं-त्यौं उज्जलु होय॥"
—इस काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(च) अभिव्यक्तिवाद के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन हैं?

(छ) गुणीभूत व्यंग्य काव्य किसे कहते हैं?

(ज) "वक्रोक्तिः काव्य-जीवितम्" किसका कथन है?

(झ) ध्वनि सम्प्रदाय में काव्य के कितने भेद माने गये हैं?

(ञ) 'रीति-सुभाषा कवित्त की बरनत बुध अनुसार' —रीति-संबंधी यह परिभाषा किसकी है?

**2.** निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) किन्हीं दो काव्य-प्रयोजनों का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'काव्यं रसात्मकं काव्यम्' कथन का आशय क्या है?

(ग) 'रस-निष्पत्ति' का तात्पर्य बताइए।

(घ) उपमा अलंकार का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) रीति और गुण के अंतर्सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

**3.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) आचार्य मम्मट द्वारा दिए गए 'काव्य-प्रयोजन' पर विचार कीजिए।

(ख) व्युत्पत्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए आचार्य रुद्रत की व्याख्या को प्रस्तुत कीजिए।

(ग) वक्रोक्ति और श्लेष अलंकार के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

(घ) साधारणीकरण की अवधारणा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ङ) 'विशिष्टपदरचना रीतिः' का तात्पर्य बताइए।

(च) विभाव का सामान्य परिचय दीजिए।





**4.** निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' प्रस्तुत परिभाषा की समीक्षा कीजिए।

**अथवा**

'भारतीय विद्वानों की दृष्टि में काव्य-हेतु' की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

(ख) ध्वनि को परिभाषित करते हुए उसके भेदों पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

**अथवा**

अलंकार किसे कहते हैं? प्रमुख शब्दालंकारों का परिचय दीजिए।

(ग) वक्रोक्ति को परिभाषित करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

रीति-सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

(घ) औचित्य-सिद्धांत का परिचय दीजिए।

**अथवा**

'रस' शब्द की व्याख्या करते हुए रस के स्वरूप पर विचार कीजिए।

★★★